भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

14.12.2022 के

तारांकित प्रश्न सं. 106 का उत्तर

राजस्थान में स्मार्ट स्टेशनों का विकास

***106. श्री सुमेधानन्द सरस्वती:**
श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का राजस्थान सहित देश के सभी रेलवे स्टेशनों का स्मार्ट स्टेशन के रूप में नवीनीकरण/उन्नयन करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) राजस्थान के सीकर, अलवर, करौली-धौलपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, जयपुर, टोंक और कोटा जिलों में स्थित स्मार्ट स्टेशनों के रूप में विकसित इन स्टेशनों पर व्यय की गई राशि का स्टेशन/जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा स्मार्ट स्टेशनों के विकास के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

राजस्थान में स्मार्ट स्टेशनों के विकास के संबंध में दिनांक 14.12.2022 को लोक सभा में **श्री सुमेधानन्द सरस्वती और श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया** द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 106 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन कर रहा है। इन व्यवहार्यता अध्ययनों के परिणामों के आधार पर, स्टेशनों, विशेष रूप से प्रमुख शहरों और महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में स्थित स्टेशनों को चरणबद्ध तरीके से पुनर्विकसित करने की योजना बनाई गई है।

भारतीय रेल में 45 स्टेशनों पर पुनर्विकास का कार्य शुरू किया गया है जबकि 22 स्टेशनों पर यह कार्य निविदा और योजना के विभिन्न चरणों में है। भारतीय रेल पर 'स्टेशनों की वृहद उन्नयन' योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए राजस्थान राज्य में अभी तक 7 स्टेशनों यथा उदयपुर सिटी, गांधीनगर-जयपुर, कोटा, डकनिया तलाव, जयपुर, जैसलमेर और जोधपुर में कार्य शुरू कर दिया गया है।

भारतीय रेल पर रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन और सुविधाएं उपलब्ध कराना एक सतत तथा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इन कार्यों को योजना शीर्ष ग्राहक सुविधाएं (पीएच-53) द्वारा किया जाता है। पीएच-53 के अंतर्गत आवंटन तथा व्यय स्टेशन-वार या जिला-वार नहीं बल्कि जोनल रेलवे-वार किया जाता है। ये 5 जोन यथा उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पश्चिम रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे हैं, जो राजस्थान राज्य की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष (अक्तूबर 2022 तक) के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत इन जोनों द्वारा व्यय की गई राशि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(आँकड़े करोड़ रु. में)

जोनल रेलवे	उत्तर	उत्तर मध्य	उत्तर पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम मध्य
व्यय (2021-22)	221.68	118.82	51.39	255.77	49.93
व्यय (अक्तूबर 2022 तक)	213.22	65.14	24.11	91.78	18.68

इतने बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास जटिल प्रकृति का कार्य है और इसके लिए विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और शहरी/स्थानीय निकायों आदि से विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है और ये कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इसलिए, कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****